हज़रत मौलाना सैय्यद निज़ामुद्दीन रह0

मौलाना सैय्यद निज़ामुद्दीन 13 मार्च सन् 1927 ई0 को गया बिहार के एक श्रेष्ठ सैय्यद ख़ानदान में पैदा हुए थे और 17 अक्टूबर सन् 2015 ई0 में देहान्त हुआ पिता का नाम सैय्यद हुसैन (अल्लामा अनवर शाह कश्मीरी) था।

आपने प्राथमिक शिक्षा अपने घर पर ही पाई। सन् 1941 ई0 में मदरसा इमदादिया दरभंगा में प्रवेश लिया, एक वर्ष रहने के पश्चात उच्च शिक्षा के लिए दारुल उलूम देवबन्द गये और हदीस की शिक्षा प्राप्त की, सन 1947 ई0 में दारुल उलूम ही से विशेष साहित्य ''तखस्सुस फिल अदब'' अरबी का पाठक्रम पूरा किया।

अध्यापन कार्य एवं पदः

दारुल उलूम से शिक्षा प्राप्त करने के फौरन बाद रियाजुल उलूम साठी चम्पारण में अध्यापन कार्य में जुड़ गये। लेकिन कुछ वर्ष ही गुजरे थे कि हज़रत मौलाना सैय्यद मिन्नातुल्लाह रहमानी की आग्रह पर आपको इमारते शरीआ बिहार, उड़ीसा व झारखण्ड के लिए प्रबन्धक नियुक्त किया, और एक दीर्घ अवधि तक श्रेष्ठ प्रबन्धक और उच्च एक कुशल प्रशासक के रूप में तीनों राज्यों में सफलता पूर्वक काम किया और मुसलमानों के इमारते शरीआ के मंच से जोड़े रखा।

आपकी बहुमुल्य सेवाओं एवं कार्यकुशलता के कारण अरबाबे हल के वफ़्द ने सन 1998 ई0 में आको अमीरे शरीयत की हैसियत से निर्वाचित किया गया और आपके हाथ पर निष्ठा की शपथ ली, इस तरह आप जीवन भर इमारते शरीआ के अमीर शरीअत (सभापति) रहे।

जब आप आल इंडिया मुस्लिम पर्सनल ला बोर्ड के महासचिव निर्वाचित हुए तो आपने इस प्लेटफार्म से समाजी और क़ानूनी सेवाएं प्रदान की और बोर्ड को मतभेदों और विवादों से बचाया और सबको परस्पर जोड़ कर रखा।

आके कार्यकाल में बोर्ड में कई बडे क्रान्तीकारी और परीक्षण की घड़ियां आयी। लेकिन आपके सही निर्णय और दूरदर्शी कार्यवाही ने इनको सफलता पूर्वक हल किया और उसमें डटे रहे।

☆☆☆